

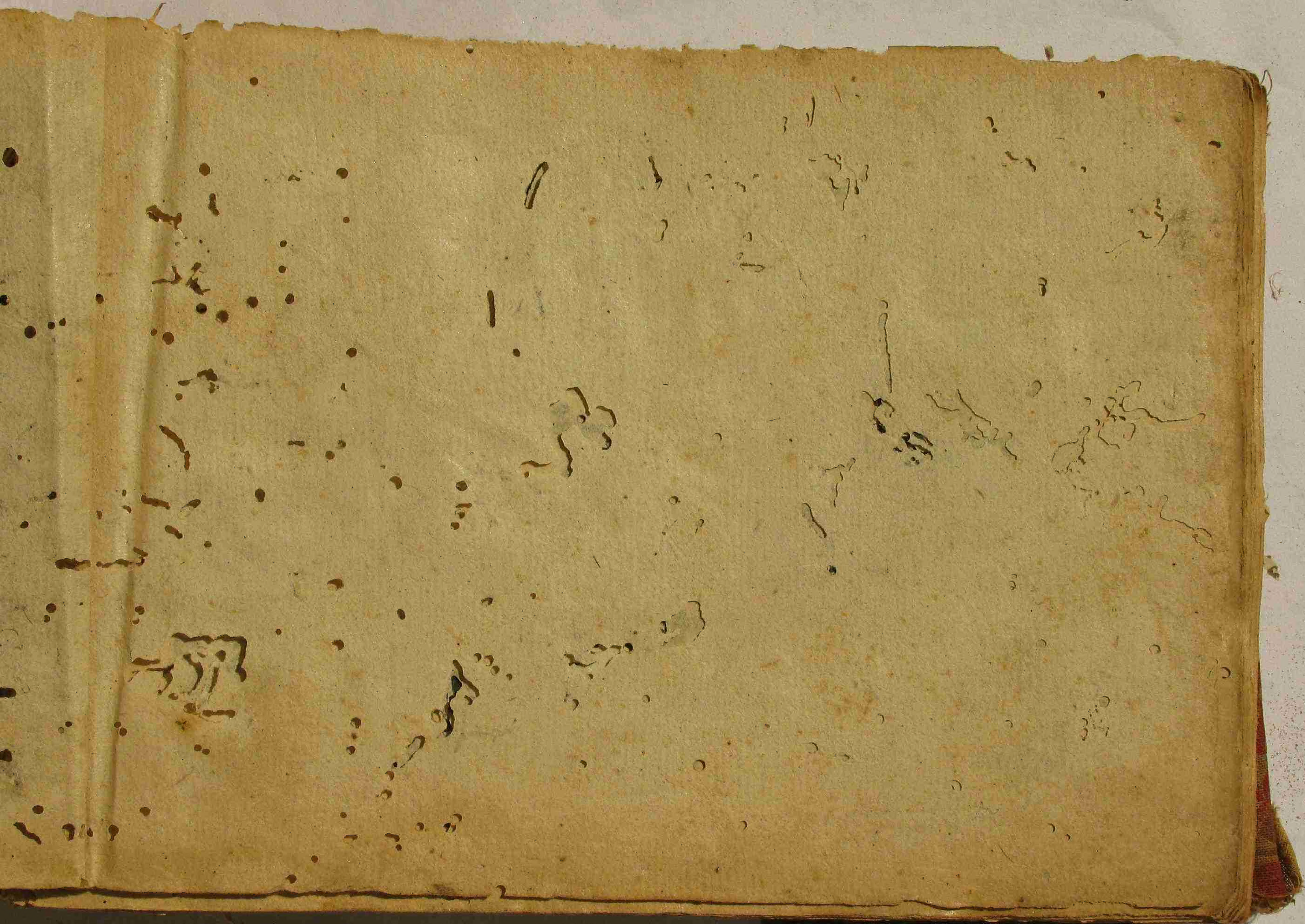


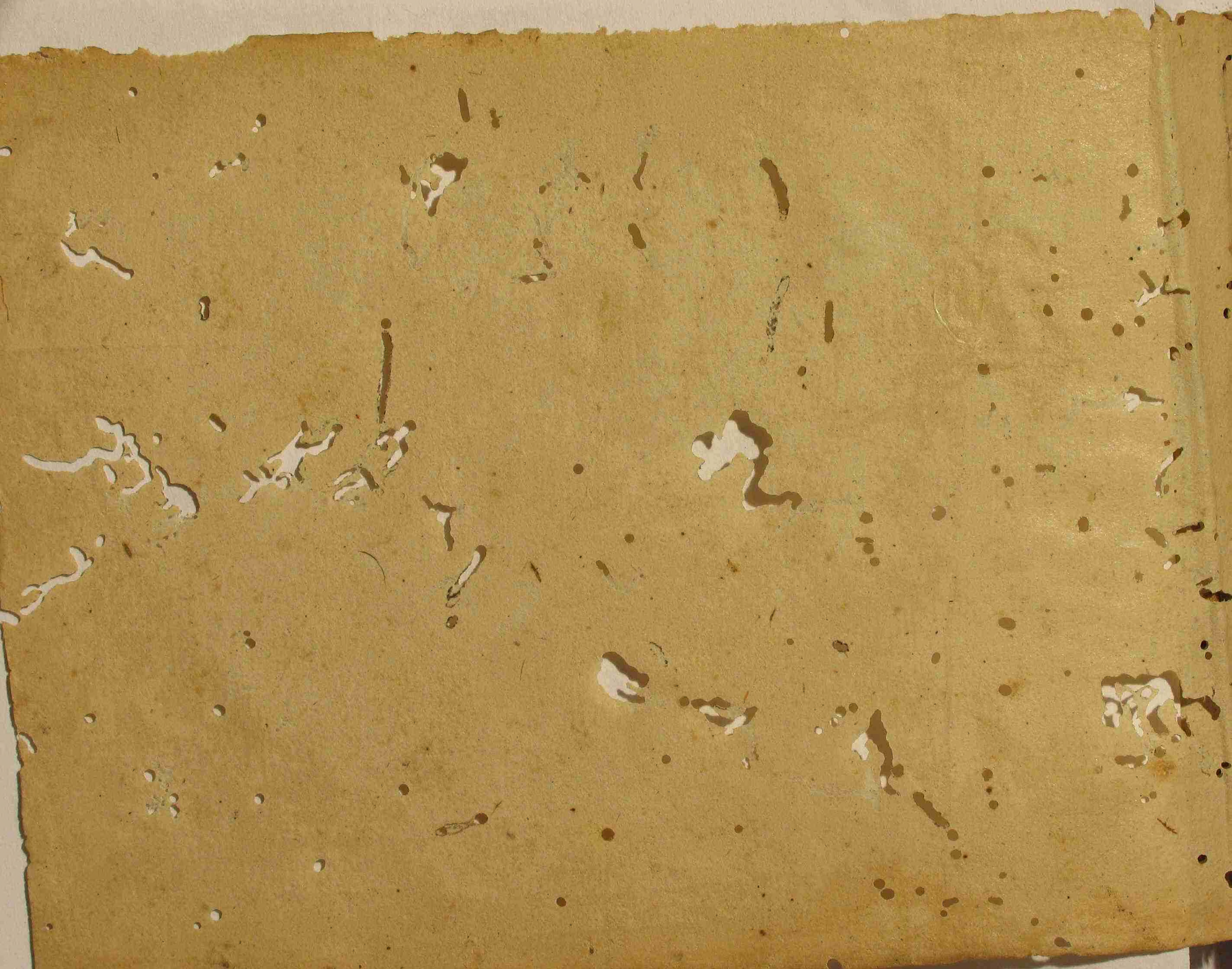


ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਜੀ ੨੫੪੮

ਅਗਲੀ ਸੀਤਾ

52 311 52 315





ਤਿਨ ਮੇਠਗ ਵਤੇ ਵ ਭੁਮੈ ਰਾਧ ਸਤ ਨੀਕ ਤਵਾਸ ਮਨ ਤੇਲੇ
 ਮਨ ਭੁਲੁ ਮਚ ਸ ਭੁਵਿ ਸਾਗਰ ਸੁਖੀ ਕਰੁ ਰਤੁ ਰੁਖ
 ਰੁਖੇ ਸਿਧਿ ਮਤ ਮ ० ਮਨ ਲੇਖੁ ਪੇਸੁ ਭੁੰਧੰ ਸਠ ਵੰ ਮਤੁ ਮ
 ਰੇਤੁ ਪਰ ਮੰ ਪਦ ਮ ਭੇਤਿ ਤੇਰੇ ਕੁਧਿ ਭੁਨਿ ਸਿਤੁ ਮ ३ ਸੇਵ
 ਕ ਤਵਾਸ ਸ੍ਰੀ ਵਰੁ ਕੰ ਆਗ ਸ੍ਰੀ ਆ ਮਨ ਤੇ ਨੇ ਕ ਮਾ ਧਿ ਮ ॥
 ਪੁਰਾਨਾ ਗਾਯਨੇ ਰਵੇ ਨਾ ਰਮੁ : ਪਦ ਪੁਸ਼ਤ ३ ਸ੍ਰੀ ਨਾਮ ਤਵਾ
 ਸ ਠਗ ਵਰੁ ਤਰੁ ਹੇ ਸ ਸੁਖੁ ਨੈਲਿ ਤੇ ਰਿਧੈ : ਕ ਸੰਠ ਤੇ ਰਿ
 ਮਿਤੁ ਮਿ ਮਨ ਲੇ ਪਦ ਪਾਧਿ ॥ = ਕਿੰ ਵਾ ਨਿਹੰ ਆ ਪੇਸੁ ਭੁੰ
 ਨਦ ਸੁਧ ਧੰ ਮਾ ਰਵ : ਭੁਖੇ ਵਿਭੁ ਭੁਧੈ ਸੁਤੁ ਤੇ ਕੁਧਿ ਮਨ
 ਤੇ १ ਸੁਭ ਤੁ ਭੁਤੁ ਮੇਵ ਰੇਵ ਰੰ ਵ ਰੁ ਵਿਸਾ ਰੰ ਪੇ ਰਾਸ

ठगव विष्णुवरुणं एगउं पतिः ॐ श्री ठगव उवम
 फउउकसयिष्टमि भनैरिष्टमउभुतिम ॥ भगल्लयं
 भउभुउधुप्रेतिपमं गतिम ॥ १ विष्णुवममिः
 ठगुमभउभुउमइन ॥ एकपुः प्रयउउउउचिमे
 भउधुमीरयउ ॥ ठिनमे ठगवउवभुउवय अउउम
 सुउमेवभउउं प्रकषउमम ॥ ५ पउधुप्रल्लनिचिष्णुमसु
 उंपममसुम ॥ ७ प्रमं प्रकषं विष्णुमनउं नैकम
 क्रिमा ॥ ५ पउधुप्रल्लगीकमभीमं ठउउं कभिउम
 नैकनं ममभु कभकं पमं पमम ॥ ठगवउं प्रपत्रे
 मिउउठउठवइउम ॥ ०० भुभुं भवने कनभन

उरुनपेरुधभा पाज्ञाठंरुभीकैसंप्रपडेभरुभरु
 यभा ०३ निरहृगंरुगुरुभभउंविस्त्रेभापभा पूरु
 कुरुभनहृउंप्रपडेठश्रुहृउिभा भरुभूमिरंभंरुव
 रंरुउंरुहृवदभा प्रपडेभ्रकभमनंवरुहृभरु
 यधरुभा ०४ नगरंनगरिभंरुयेगइनंभनउन
 भा सरहंभचश्रुउंनंप्रपडेप्रवभीश्रुभा ०५
 प्रहृजश्रुजप्रहृवभहृजश्रुःपरःप्रहृः उभ्रहृगं
 नभ्रिउभभ्रिसरंनंभ्रः ० मित्रयउेदियंनिहंरु
 रंभनमयःप्रहृभा मित्रयंनपिगश्रुउिउभभ्रिसर
 नंभ्रः ०१ रिउेदियभरुइनेरुहृनपराय०७ः

यं प्रपुन निवतुते उभमिभमरं गतः ०३ यः प्रकुः भव
हुत नं येन भवमिमं उत भु मर मर गुरुदेवः भवे वि
शुः प्रभीमत् ०७ एकं मेन ए गुरुचं येव शुह भि उ
विहः शुगुह निनुः म भु उभमिभमरं गतः ३ य
भ हतः भु शुभ पदुये निः पिउ भदः प्रभीमत् भवे वि
शुः पिउ भद पः प्रकुः ३० यः भु प्रन ये प्र प्रन शुने के म
ग मर एक भि शुति ये ग इ भ भवि शुः प्रभीमत् ३३ प
नतः पतिषी म भुं क भेणः वि य फल भु गुण करः
प्रकुगी मेव भुदेवः प्रभीमत् ३३ शुयि भे भ कृत ग ७
न मरुदुये गिन भ भु शुद भु उ एं मि भ भवि शुः प्रभी

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

३०. मउमुडिः प
 ण भलकी व भे मिग मिउः भव शिव भन हे भिवा
 भवे वन भे भुउ ३१ येग व भन भ भुहं भव व भव भ्रम
 यल्लग भ भन भ भुउ ३२ मउमुडि एग
 भ भलकी व भव भ्रम भव व भन भ भुभ भि भु
 उएग हउ ३३ सुएयः पणु धर सुचि भु भुउ च भ क
 पिः रिगुले पल्ल कल यन भ भुएन भ गन ३४ नभ
 भुभ चउठ भुभ चउठि मिगे पाप निचि कं न भ भुभ भुभ
 कि हउठ व भिउ ३५ सुती विप न भ भुहं लिङ्ग भ भुगी
 यउ येउ हं न ठि एन ति भं भं भं भं भं भं भं ३६ नभ भुभ

३१

सुमीक कथनवचनभेभुते संसुनेमिएगवमकिभतः
परभुमुते ३३ गगङ्गेधविनिमुजेलेठभेदविवलिः
सुमीरःसमीरभुःभभःभचेधुदेदिधु ३७ सुवज
पहुल्लुगभरुतेरिया ॥ म डीयतानिनउधडंउधडं
तानिनडिय ॥ भुधुठेजभितुएभेग ॥ नं धडुगेधुगः
धरुहदेउगदिःधुडग ॥ ववभितुः ॥ ठज नं येदि
मेवभुंउंणभभुनगेउभ भभेभुतेधुभंयेगेनधुनठवए ॥
नी ॥३ न'ल्लुगे ॥ रुडे रिउषभडुमिठिनुः नण्डे
नहण्डेवनधुनठवएभुनी ॥३ विधयेविदियेसुवभभ
हुयउभगभः ॥ विषवीयउभेपू ॥ यउभेनभनए

लभा ॥ २२ मशुद्धतामनंय उभजेमेय उभा रुता ॥
 मवे ह क म म म उ म म वे क रि कं भनः ॥ २५ सुदुद्ध
 व सुभे व डिं ड यि व डिः भ मे उ म वि ये गः म च क उ ॥ २६
 नै ड उ सु भे ठ वे उ ॥ २७ म ड उ म म म म व भू नं ति भू वि म
 उ म म क व ल थ मं मे वी भू य उ थ मं उ व ॥ २८ एक
 ठ वे ड वे व भु म म म ए न ठ वे नः ॥ २९ भे ठ ग व उ उ म वि
 भू वि भू ठ वि भू वे ॥ ३० इ म न भू म उ भू म भू म उ भू म
 क य मः ॥ ३१ इ म व उ भू म वि भू म न थ ड थ भू उ ॥ ३२
 प्र चं मे दे रु उ ये म व थ य भू वि म उ म म म म य उ म मः
 प वि ण म भू वि भू म उ म म ॥ ३३ वि न भू वि उ म ग ये म म

भञ्जुवपियः भञ्जु ५१ सुपिपपमभममः भिप
 यतिपपं पमम भञ्जुवपिमभुप्रेयमुमेभमभञ्जु
 भञ्जु यमदङ्गुभसिउयङ्गुनउपः त्रियाः वचि
 नलभवप्रेतिपनगवउंनयतः ५७ सुचयत्रपियेमे
 वञ्जुवपिवलिंममग सुङ्गुमञ्जुवपिनठउप
 गभं गतिम ७० यङ्गुमनंउपमुमङ्गुदममविवलि
 तः अलिभायभभायंमङ्गुमञ्जुवविमैधतः सुव
 यङ्गुङ्गुणनेहेयमङ्गुभभुभापितः नमङ्गुउसयेङ्गुय
 मङ्गुतः सुङ्गुयविउतः ७३ उह यङ्गुमञ्जुवलिंकः सुभा
 कभुपिनगम किं पनदएउयेभं भापिके विणि

प्रसक्तभा ७३ सुसुमेधमदभू ७३ यः भदभुंभभा म
३ नभोउदुलभभेतिभरुडुयमवधुय ७४ उक्षं
मउउपेणीउंशुतानिनियभा सुय भवभेउडिनमायए
नमातिउविहउ ७५ उभदुमेयभाप्रहः भवभडुठ
यहूगीभा कडुंमपीषवीमहुवउउलुं कमम ७६
काउउवनकुनेधुलुंमठयभभवे मभुठिः भविनडु
भनभठिं प्रलीउयेउ ७७ एनेरकउवगदः ७८
नेरकउवभनः सुदुंनरभिंनभुमचउः पउकेम
वः ७९ भरुडुगितयनदगिरिहकाउयभा वडुः
भगिकभुंभभायगभनंधति ८० उभदुमेवमेवमे

५२३।२
 पुयश्च उचिउतुफिभा सुवधुमिउतःमिदिंथंरु
 मिउसूवभा १० नंरंरभाभिबेजुठयेगिंरुमयेनम
 भसुजयरागयतिउरतिधुमिनंरम १० वैसभद
 वाम एवंभमेवमेवेनंरमःधुतिवेतिउः मंकरकंमवे
 ठतिंउम्रुडुंजुरुधुपउ १३ मंभगावभीभजेयःशुनं
 किलकष्टे नउपुयतियेगोनीकषयाभिमउकुपभा
 गचववुविनिमुजःपंथमभाप्रयउ १२ उतिमीभरु
 ठाउमउमरुभुंभंरिउयंरैमिहंविशुण्मिउरंशु
 उम्रुतिभभुलभभा ॥



